नईदुनिया

नेपाल : भोटेकोशी नदी के ऊपर तिब्बत के ल्हेन्डे पर बनी दूसरी झील ओवरफ्लो

काठमांडू

जलप्रलय से त्राहिमाम नेपाल के माथे पर आपदा की नई आहट ने चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं। रसुवागढ़ी में भोटेकोशी नदी के ऊपर ल्हेन्डे नदी पर एक और विशाल झील के बन जाने से संकट बढ़ गया है। यह झील ठीक उस जगह के ऊपर की तरफ बनी जहां अचानक बाढ़ आई। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने निर्मित झील का फुटेज दिखाया। चीन ने इससे पहले चेताया कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद बनी इस झील के किनारे कभी भी टूट सकते हैं। इससे नीचे फिर बाढ़ आ सकती है।

नेपाल के अंग्रेजी अखबार द हिमालयन और चीन की शिन्हुआ की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इनकी रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के सरकारी ब्राडकास्टर ने बताया कि इस झील में लगभग 25 लाख (2.5 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया।

एक क्यूबिक मीटर (घन मीटर) 1,000 लीटर पानी के बराबर होता है। एक स्टैंडर्ड ओलंपिक स्विमिंग पूल में लगभग 25 लाख लीटर (2.5 मिलियन लीटर) पानी आता है। इस हिसाब से 25 लाख क्यूबिक मीटर पानी से 1,000 ओलंपिक स्विमिंग पूल पूरी तरह भरे जा सकते हैं।

ल्हेन्डे नदी का प्रवाह भारी मलबे के कारण रुक गया है। वीकएंड के बीच झील में 30 लाख (3 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी और आने की उम्मीद है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, यह झील ओवरफ्लो हो चुकी है। इलाके में भारी बारिश हो रही है।

यह झील कभी भी टूट सकती है। ल्हेन्डे नदी (ल्हेन्डे खोला या ल्हेन्डे धारा) का उद्गम तिब्बत (चीन) के पर्वतीय क्षेत्र में है।

यह नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवागढ़ी में आकर भोटेकोशी नदी में मिल जाती है। यह भोटेकोशी की सहायक नदी है। ल्हेन्डे और भोटेकोशी नदी का यह क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन के बीच सदियों पुराने हिमालयी व्यापारिक गलियारा (केरुंग-रसुवागढ़ी नाका) का मुख्य हिस्सा है।

ल्हेन्डे के पानी के सैलाब से भोटेकोशी में आई अचानक बाढ़ से हुए विनाश की पीड़ा की लकीरें नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग सहित कई जिलों के लोगों के चेहरों पर पढ़ी जा सकती हैं।

वैज्ञानिक इसकी वजह चीन-नेपाल सीमा पर स्थित ग्लेशियर जोन से बर्फ और चट्टानों के विराट हिस्से का टूटकर सीधे ल्हेन्डे खोला में गिरना बता रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, इससे खोला का प्रवाह खिसका और वहां अस्थायी प्राकृतिक झील बन गई। इस झील में धीरे-धीरे पानी जमा होता रहा।

26 अगस्त को भूगर्भीय हलचल से हिमनद का बड़ा हिस्सा टूटकर इसमें गिरा और वह टूट गई। कीचड़, पत्थरों और मलबे के साथ भयंकर जलप्रलय निचले इलाकों की तरफ बढ़ा। इससे भोटेकोशी का वेग विकराल हो गया। यह रसुवागढ़ी सीमा पोस्ट, सड़कों, जलविद्युत परियोजनाओं और तमाम गांवों को लीलता हुआ आगे बढ़ गया। नेपाल और चीन के अधिकारी ल्हेन्डे नदी मार्ग के ऊपरी हिस्सों पर सैटेलाइट के जरिए लगातार नजर रख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान पहुंचा ब्रिटेन, भारत के खिलाफ गुहार, इशाक डार ने ब्रिटिश विदेश मंत्री एड मिलिबैंड से की मुलाकात

लंदन। सिंधु जल संधि के मुद्दे पर पाकिस्तान ने अब ब्रिटेन का रुख किया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने ब्रिटिश विदेश मंत्री एड मिलिबैंड के साथ द्विपक्षीय बैठक में भारत द्वारा संधि को स्थगित किए जाने का मुद्दा उठाया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में सिंधु जल संधि और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति से जुड़े हालिया घटनाक्रम प्रमुख मुद्दे रहे। पाक के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने भारत पर अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए संधि के तहत की गई प्रतिबद्धताओं को बनाए रखने की अपील की। पाकिस्तान लंबे समय से इस मुद्दे को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। दरअसल अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ 60 साल पुरानी सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ा है। पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली को अपने लिए जीवनरेखा बताते हुए कई बार संधि बहाल करने की मांग की है। पाकिस्तान की ओर से भारत पर सिंधु नदी के पानी के बहाव में हस्तक्षेप करने के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। वहीं, भारत का रुख है कि सिंधु नदी जल प्रणाली में उसके अधिकार और हित सुरक्षित हैं तथा वह अपनी जरूरतों के अनुरूप जल संसाधनों का इस्तेमाल करने का अधिकार रखता है। इशाक डार और एड मिलिबैंड के बीच बातचीत केवल सिंधु जल संधि तक सीमित नहीं रही। दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व की बदलती परिस्थितियों समेत प्रमुख क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

अमेरिका भागवत के कार्यक्रम के आयोजकों का एक्स अकाउंट बहाल, फोरम ने कहा थैंक्स

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क सिटी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यकर्म से पहले आयोजक अमेरिकन हिंदुज फार इंगेजमेंट एंड डायलाग फोरम के आधिकारिक एक्स अकाउंट को फिर से बहाल कर दिया गया है, जिसे कुछ वक्त के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। एक्स पर अपने आधिकारिक अकाउंट के फिर से बहाल होने के बाद आयोजक फोरम ने एक पोस्ट शेयर कहा कि अब वे वापस आ गए हैं। फोरम ने अपने आधिकारिक अकाउंट को जल्द बहाल करने के लिए एक्स सपोर्ट का भी आभार जताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फोरम ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- हम वापस आ गए हैं! कुछ भटके हुए विरोधियों ने एक्स के एल्गोरिदम से छेड़छाड़ करने और हमारा अकाउंट ब्लाक कराने की कोशिश की। वहीं, हमारे अकाउंट को तुरंत फिर से बहाल करने और बाट्स को हटाने के लिए एक्स सपोर्ट का बहुत-बहुत धन्यवाद। फोरम ने आगे लिखा- अब वापस उस काम में लगें, जो असलियत में काफी ज्यादा मायने रखता है। फोरम ने अकाउंट के सस्पेंशन को एक तकनीकी खराबी करार दिया। वहीं, दूसरी तरफ यह घटना अमेरिका के न्यूयार्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी के उस बयान के दो दिन बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आरएसएस या इस कार्यक्रम का किसी भी तरह से समर्थन नहीं करते हैं।

बाढ़ से हुआ नुकसान कई अरब डालर का हो सकता है : नेपाल के वित्तमंत्री

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने कहा कि देश को इस आपदा से कई अरब डालर का नुकसान होने की आशंका है। वित्त मंत्री वागले ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन से बातचीत में कहा कि अगले एक-दो सप्ताह में जब नुकसान का विस्तृत आकलन होगा, तब इसकी कुल लागत कम-से-कम कुछ अरब डालर तक पहुंचने की आशंका है। उन्होंने शुरुआती नुकसान के अनुमान को काफी चिंताजनक बताया। वहीं, नेपाल सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में तत्काल राहत पहुंचाने के लिए रसुवा और नुवाकोट को एक-एक करोड़ रुपये, जबकि धाडिंग को 50 लाख रुपये जारी किए हैं। प्रभावित लोगों तक भोजन, पानी, टेंट, कंबल, सोलर लैंप, जनरेटर और पावर बैंक जैसी जरूरी सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा प्रभावित इलाकों में ईंधन की आपूर्ति भी जारी है। गौरतलब है कि, 10 सितंबर को नेपाल-चीन सीमा के पास बर्फ और चट्टानों का बड़ा हिस्सा ढहने के बाद यह आपदा आई।

रूस नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला नहीं करेगा, पुतिन से हुई अच्छी बातचीत : ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला नहीं करेगा। उनका यह बयान सीआईए निदेशक जान रैटक्लिफ की मास्को यात्रा के बाद आया है। रिपोर्टों के मुताबिक रैटक्लिफ ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नाटो के किसी देश पर हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने रैटक्लिफ को पुतिन तक कोई विशेष चेतावनी पहुंचाने का निर्देश दिया था या नहीं। ट्रंप ने ओवल आफिस में पुतिन को लेकर कहा था कि मैंने उनसे अच्छी बातचीत की है। वह नाटो के किसी देश पर हमला नहीं करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने रैटक्लिफ को रूस यात्रा के दौरान पुतिन को नाटो पर हमला न करने की चेतावनी देने के लिए कहा था, तो उन्होंने इसका सीधा जवाब नहीं दिया। ट्रंप ने कहा कि मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन वे हमला नहीं करने वाले हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रैटक्लिफ की मास्को यात्रा को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। रैटक्लिफ की रूस यात्रा के दौरान द वाल स्ट्रीट जर्नल ने लीक हुई अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की। इसमें संकेत दिया गया था कि रूस नाटो देशों की प्रतिक्रिया और एकजुटता को परखने की योजना बना सकता है।

अमेरिका खुद नाटो का सदस्य है। नाटो के सामूहिक रक्षा प्रावधान के तहत यदि गठबंधन के किसी सदस्य देश पर हमला होता है और यह प्रावधान लागू किया जाता है, तो अमेरिका समेत अन्य सदस्य देश उसकी रक्षा के लिए मदद करने के लिए बाध्य होंगे। इससे एक दिन पहले 26 अगस्त को ट्रंप ने रैटक्लिफ की रूस की अचानक हुई यात्रा को सेमी-रूटीन बताया था। उन्होंने इस यात्रा को लेकर चल रही उन अटकलों को कमतर बताया था, जिनमें कहा जा रहा था कि सीआईए प्रमुख किसी बेहद जरूरी मुद्दे के कारण मास्को गए हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें हैं कि पुतिन किसी नाटो देश को धमकी दे सकते हैं या रैटक्लिफ मास्को को यह संदेश देने गए हैं कि ईरान पर प्रतिबंधों के मामले में अमेरिका गंभीर है। ट्रंप ने इन दोनों संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि इनमें से कोई भी वजह नहीं है। उन्होंने रैटक्लिफ की यात्रा को कुछ हद तक नियमित बताते हुए कहा कि मैं लोगों को निराश करना पसंद नहीं करता। ट्रंप ने नाटो पर संभावित रूसी हमले के बजाय यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की अपनी कोशिशों पर ज्यादा जोर दिया। ट्रंप ने कहा कि वह पिछले साल दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ट्रंप के छोटे बेटे बैरन की हत्या की साजिश की योजना की खबर नेतन्याहू ने गढ़ी

ईरान ने खबरों को किया खारिज, कहा- नेतन्याहू को नर्क में भेज देंगे

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अब इसकी आंच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार तक पहुंचने के दावे सामने आने लगे हैं। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई ने ट्रंप के छोटे बेटे बैरन ट्रंप की हत्या की कथित साजिश को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

इसी बयान में उन्होंने अमेरिका और इजराइल के खिलाफ बेहद तीखे तेवर भी दिखाए। एक इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि बैरन को निशाना बनाने की कथित योजना की खबर इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गढ़ी है। उनका आरोप था कि नेतन्याहू ने इस तरह की खबरों के जरिए ट्रंप को डराने की कोशिश की है।

मामला तब गंभीर हो गया जब ईरानी सरकारी टीवी से जुड़े एक वीडियो में दावा किया कि 20 साल के बैरन ट्रंप पर नजर रखी जा रही है और उनकी हत्या के लिए 10 मिलियन डालर यानी करीब 1 करोड़ डालर का इनाम रखा गया है। हालांकि इस वीडियो में किए गए दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने कहा है कि उन्हें वीडियो मिला है और अपने सुरक्षा घेरे में आने वाले लोगों के खिलाफ किसी भी संभावित धमकी की जांच करती है। सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने कहा कि आपरेशनल सुरक्षा के कारण वह किसी खास सुरक्षा जानकारी पर चर्चा नहीं कर सकते।

ईरानी सुरक्षा प्रमुख ने कथित साजिश को झूठ बताते हुए कहा कि अगर ईरान ने किसी की हत्या करने का फैसला किया होता तो उसे रोकना आसान नहीं होता यानी रेजाई एक तरफ बैरन ट्रंप को लेकर सामने आए दावे को मनगढ़ंत बताया, वहीं दूसरी तरफ उनका बयान अमेरिका के लिए बेहद आक्रामक मैसेजिंग के तौर पर देखा जा सकता है। रेजाई यहीं नहीं रुके। उन्होंने जुलाई में तुर्की में हुए नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप के विमान बदलने की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ने ट्रंप को बताया था कि ईरान उनकी हत्या की योजना बना रहा है। इसके बाद ट्रंप बड़े विमान से उतरकर एक छोटे सैन्य विमान तक पहुंचे। रेजाई ने इस घटनाक्रम को तंज के अंदाज में पेश करते हुए दावा किया कि ट्रंप को खतरे के डर से फूड ट्रक में मजदूरों की तरह छिपाकर ले जाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक रेजाई ने नेतन्याहू को लेकर भी बेहद आक्रामक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर संघर्ष दोबारा बढ़ा तो टकराव पहले से अलग चरण में पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान नेतन्याहू को नर्क में भेज देगा। रेजाई ने दावा किया कि नेतन्याहू के कदमों ने इजराइल के अस्तित्व के अंत को करीब ला दिया है।

विरोध प्रदर्शन

जकार्ता में लोग संसद भवन के बाहर सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए, इन लोगों की मांग है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाये जाने चाहिये।

रूस ने फिर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से मचाई तबाही, रिहायशी इमारतों पर किए हमले

जेलेंस्की का दावा- मास्को युद्ध को आगे बढ़ाने लगातार बढ़ा रहा अपनी युद्ध क्षमता

कीव

यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने एक बार फिर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से तबाही मचाई। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस जानबूझकर नागरिक ढांचे को निशाना बना रहा है। रूस ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और इमारतों पर हमले किए। जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस युद्ध को आगे बढ़ाने के लिए अपनी क्षमता लगातार बढ़ा रहा है। रूस अपनी क्षमता विस्तार और मिसाइलों के भंडार बढ़ाने के जिए निवेश कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा कि रूस के हमले के बाद पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। यह एक संयुक्त हमला था, जिसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों दोनों का इस्तेमाल किया गया। रूस ने पोल्टावा, सूमी और खेरसोन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने बताया कि खार्कीव क्षेत्र में रिहायशी इमारतों पर हमला किया गया।

वहीं क्रामाटोर्स्क में एक गाइडेड हवाई बम एक बहुमंजिला इमारत पर गिरा। राज्य आपातकालीन सेवा की टीमों ने वहां से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अलावा जापोरिज्जिया में तीन लोग और क्रिवी रीह में दो लोग घायल हुए हैं। ओडेसा में एक इमारत भी हमले की चपेट में आई। कीव क्षेत्र के चुबिन्स्के में ड्रोन हमलों के बाद कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लग गई बाद में इन पर काबू पाया गया।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस लगातार मिसाइलों के भंडार और युद्ध को आगे बढ़ाने की अपनी क्षमता में निवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि इसके जवाब में और ज्यादा प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह हमारे यूरोपीय सहयोगियों ने यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अहम फैसले लिए हैं। यह भी जरूरी है कि इनके साथ बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए अतिरिक्त रक्षा पैकेज भी उपलब्ध कराए जाएं खासकर पर्ल के जरिए से।

उन्होंने कहा कि हमारे आसमान की सुरक्षा को मजबूत करने वाला हर कदम रोजाना यूक्रेन के लोगों की जान बचाने में मदद करता है। अगर हमें रूस की लड़ाई जारी रखने की इच्छा को कमजोर करना है, तो हमें उन मिसाइलों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय करना होगा जिनके सहारे मास्को इस युद्ध को आगे बढ़ा रहा है।

अमेरिका लगातार नेपाल के संपर्क में, लापता लोगों की तलाश में वाशिंगटन की काठमांडू से मदद की पेशकश

वाशिंगटन/काठमांडू

ट्रंप प्रशासन नेपाल में लापता लोगों के बारे में चिंतित है। वाशिंगटन ने काठमांडू से बचाव अभियान में शामिल होने की पेशकश की है। नेपाल टूरिज्म बोर्ड के प्रमुख के अनुसार, इस जल आपदा में लापता लोगों में 65 अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं। नेपाल पुलिस ने बताया कि आई बाढ़ में 1,400 से ज्यादा लोग लापता हैं। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, तिब्बत में 558 लोग लापता हैं। इनमें से 260 विदेशी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल आफिस में पत्रकारों को जानकारी दी कि प्रशासन नेपाल सरकार के लगातार संपर्क में है। अमेरिकी अधिकारियों ने नेपाली नेताओं से बात की है और उन्हें बचाव अभियान में जुड़ने के साथ हर तरह की मदद देने की पेशकश की है। ट्रंप ने कहा कि हमारे कितने नागरिक लापता हैं, इसकी पक्की जानकारी नहीं है। मगर नेपाल टूरिज्म बोर्ड के मुताबिक, 65 अमेरिकी लापता हैं।

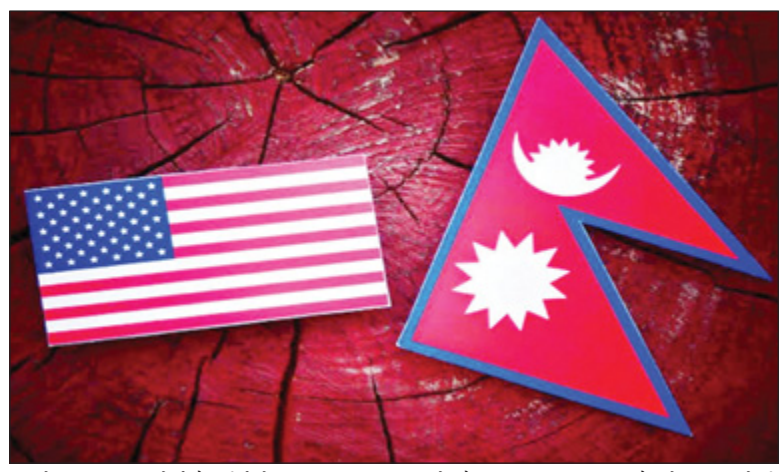

नेपाल टूरिज्म बोर्ड के सीईओ हिकमत सिंह अय्यर ने कम से कम 65 अमेरिकी नागरिकों के लापता होने की पुष्टि करते हुए कहा कि रसुवा जिले के बाढ़ प्रभावित इलाके से 27 विदेशी नागरिकों को बचाया गया है। उनमें दो अमेरिकी नागरिक (एक पुरुष और एक महिला) हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार, नेपाल में प्रभावित नागरिकों की संख्या लगभग 90 हो सकती है। अभी तक किसी अमेरिकी की मौत की जानकारी नहीं है।

विदेश विभाग ने कहा कि जरूरतमंद अमेरिकी मदद के लिए +1-202-501-4444 पर फोन कर सकते हैं। अपने प्रियजनों के बारे में चिंतित परिवार और दोस्त टोल-फ्री नंबर +1-888-407-4747 पर संपर्क कर सकते हैं।

नेपाल में अमेरिकी दूतावास ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। दूतावास ने कहा कि वह लापता अमेरिकी नागरिकों का पता लगाने के लिए काम कर रहा है। दूतावास ने नेपाल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपने परिवारों, होटलों, गाइडों या ट्रैकिंग और टूर कंपनियों से संपर्क करने की कोशिश करें। हालांकि, दूतावास ने कहा कि संचार व्यवस्था अभी भी बुरी तरह बाधित है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। राहत कार्यों में मदद के लिए एक सलाहकार भेज रहा है। कैथोलिक रिलीफ सर्विसेज को 500,000 डालर की ग्रांट भी दी जा रही है। भारतीय आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु वासुदेव के ईशा फाउंडेशन की लेस्ली क्रेस्पी ने कहा कि इस आपदा में उनके संगठन से संबद्ध 80 लोग लापता हैं। यह सभी कैलाश मानसरोवर की तीर्थयात्रा पर गए थे।

क्रेस्पी ने बताया कि लापता 80 लोग 19 देशों से हैं। इनमें 22 अमेरिकी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 1,000 लोग इस तीर्थयात्रा में शामिल थे। अमेरिकी नागरिक दीपक डंडू ने बताया कि उनकी पत्नी श्रीदेवी वेजेला भी नेपाल में लापता हुए लोगों में शामिल हैं। उन्होंने ईशा फाउंडेशन के साथ तिब्बत में कैलाश पर्वत की तीर्थयात्रा पूरी की थी। वे चीन से नेपाल में प्रवेश कर रही थीं, तभी बाढ़ आ गई।